Amar Ujala Dt:13.10.2026

दयानंद मॉडल स्कूल में जांची व्यवस्था

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानने के लिए विद्यालयों का दौरा शुरू किया है। अक्तूबर के पहले दौरे के तहत वह दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे।

यहां उन्होंने शिक्षकों से शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की प्रगति और शैक्षणिक चुनौतियों पर चर्चा की। साथ ही उनके सुझाव भी सुने। विद्यार्थियों ने भी बोर्ड अध्यक्ष के समक्ष सवाल रखे।

उन्होंने सहजता से उनके जवाब दिए और मेहनत, अनुशासन व आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दौरों का उद्देश्य शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद कर विद्यालयों की जरूरतों को समझना है। ब्यूरो

धर्मशाला, बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

कांगड़ा

www.jagran.com



देहरा से तंज बाया तुनसू समेत पांच नए रूटों पर बस सेवा शुरू 4

स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता परखने निकले बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा 3



स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता परखने निकले बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अक्टूबर में विभिन्न विद्यालयों के दौरे की शुरुआत दयानंद माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की। इन दौरों का उद्देश्य विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों को समझना और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाना है।



राजेश शर्मा ● जागरण आर्काइव

इस दौरान डा. राजेश ने शिक्षकों से शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के अनुभव और सुझाव सुने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी अहम भूमिका पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने भी अध्यक्ष के सामने अपने सवाल रखे। शर्मा ने उनका जवाब दिया और बच्चों को मेहनत, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर शैक्षणिक जरूरतों और शिक्षकों व विद्यार्थियों के अनुभवों तथा अपेक्षाओं को समझना इन दौरों का लक्ष्य है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदेश की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन देने के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग जरूरी है। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि विद्यार्थी प्रदेश का भविष्य हैं। विद्यालयों से निरंतर संवाद और उनकी शैक्षणिक जरूरतों को समझना शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में सार्थक कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संवाद शिक्षा की गुणवत्ता सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर देने में सहायक होगा।

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शिक्षकों छात्रों से किया संवाद

नगर संवाददाता- धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों और जरूरतों का जायजा लेने के लिए स्कूलों का दौरा शुरू किया है। इस क्रम में उन्होंने दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भ्रमण कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद किया। दौरे के दौरान उन्होंने शिक्षकों से शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और शिक्षा के क्षेत्र में सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के सुझाव भी सुने। विद्यार्थियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं और सवाल रखे, जिनका अध्यक्ष ने जवाब दिया। डा. शर्मा ने कहा कि विद्यालयों की शैक्षणिक जरूरतों और चुनौतियों को समझने के लिए शिक्षकों तथा विद्यार्थियों से सीधा संवाद जरूरी है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रदेश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के अनुभवों के आधार पर शैक्षणिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास किए जा सकते हैं। अक्टूबर माह में शुरू की गई इस पहल के तहत विभिन्न विद्यालयों का दौरा कर वहां की शैक्षणिक गतिविधियों और आवश्यकताओं को समझा जाएगा।

Himachal Dastak :14-10-2026

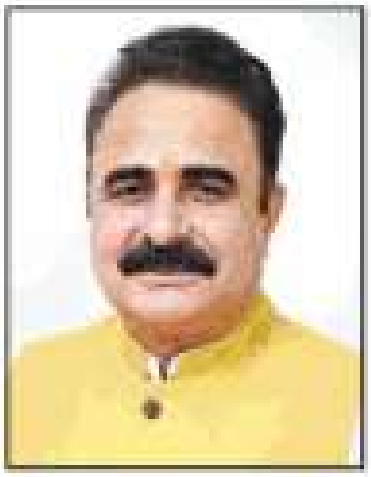
स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यालयों के दौरे की शुरुआत दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर शिक्षण व्यवस्था, शैक्षणिक प्रगति और चुनौतियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने बच्चों को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। स्कूलों का दौरा करने का उद्देश्य जमीनी जरूरतों को समझना और शिक्षकों व विद्यार्थियों के सुझावों के आधार पर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

पंजाब केसरी
WED,14 OCTOBER 2026
EDITION: KANGRA KESA

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने किया दयानंद स्कूल का निरीक्षण

धर्मशाला, 13 अक्तूबर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने अक्तूबर माह में विद्यालयों के नियमित निरीक्षणअभियानों की शुरूआत कर दी है। इसी कड़ी में उन्होंने दयानंद मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल का दौरा कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य स्कूलों की जमीनी स्थिति को आंकना और शिक्षकों व विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। निरीक्षण के दौरान डॉ. राजेश शर्मा ने स्कूल के शिक्षकों के साथ शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और शिक्षा के क्षेत्र में आ रही विभिन्न व्यावहारिक चुनौतियों पर लंबी चर्चा की।



4 STAAR NEWS
क्योंकि सच है तो चमकेगा ही
FOLLOW US » | YouTube | Facebook | Instagram | X | 4 STAAR NEWS | www.4staarnews.com

स्कूलों की नब्ज टटोलने पहुंचे शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष, कक्षाओं में जाकर सुनीं शिक्षकों और विद्यार्थियों की बात

स्कूलों में पहुंचकर शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

आशीष शर्मा,
धर्मशाला ब्यूरो

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विद्यालयों का दौरा शुरू किया है। अक्टूबर माह में इस पहल की शुरुआत उन्होंने दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भ्रमण से की। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षकों और विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया तथा विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को नजदीक से समझने का प्रयास किया। डॉ. शर्मा ने शिक्षकों से शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और शिक्षा के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के अनुभवों और सुझावों को सुना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस पहल का उद्देश्य विद्यालयों की वास्तविक जरूरतों को समझकर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में प्रयास करना है।



विद्यार्थियों के सवालों का दिया आत्मीयता से जवाब

दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू किया विद्यालयों का दौरा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बताया प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के समक्ष अपनी जिज्ञासाएं और सवाल रखे। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके प्रश्नों का सहजता व आत्मीयता से जवाब दिया। उन्होंने बच्चों को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को जरूरी बताया। साथ ही विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपने व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। इस तरह का सीधा संवाद विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने और उनकी शैक्षणिक जिज्ञासाओं को समझने में सहायक है।

संवाद से मजबूत होगी शिक्षा व्यवस्था- डॉ राजेश

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इन दौरों का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर शैक्षणिक जरूरतों को समझना और शिक्षकों व विद्यार्थियों के अनुभवों तथा अपेक्षाओं को सीधे जानना है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदेश की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों को समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताते हुए कहा कि विद्यार्थी प्रदेश का भविष्य हैं। ऐसे में विद्यालयों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करना और उनकी आवश्यकताओं को समझना शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सार्थक कदम है। डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि इस तरह के संवाद से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाने में सहायता मिलेगी।

The Sunny Times

HIMACHAL EDUCATION CHIEF HITS THE CLASSROOMS TO HEAR GROUND REALITIES

The Sunny Times | Dharamshala |



In a bold departure from desk-bound bureaucracy, Himachal Pradesh Board of School Education Chairman Dr. Rajesh Sharma has traded boardroom paperwork for chalkdust and real classrooms. Kicking off a statewide school tour at Dayanand Model Senior Secondary School, the board chief made it clear that understanding what really happens in education requires looking teachers and students in the eye, not just skimming administrative files.

Rather than conducting a rigid official inspection, Dr. Sharma spent his time speaking directly with faculty and students to take the true pulse of the school system. Teachers opened up about everyday academic hurdles, teaching standards, and student progress, while the chairman underscored that educators remain the backbone of the state's progress.

The highlight of the visit came when students took the floor, firing off candid questions and curiosities. Meeting their energy with warmth and encouragement, Dr. Sharma answered each query directly, urging the young learners to lean into discipline, self-confidence, and hard work to chase their goals.

Dr. Sharma stressed that quality education forms the ultimate foundation of Himachal's future, and strengthening it demands constant dialogue rather than top-down directives. By keeping lines of communication wide open between policymakers, teachers, and students, the board aims to bridge the gap between policy and practice, creating richer opportunities and an academic environment where every classroom can thrive.